वार्तालाप नं. 903, फर्रूखाबाद (उ.प्र.) पार्ट-2 ता-15.12.09

Disc.CD No. 903, Dt. 15.12.09, at Farrukhabad (Uttar Pradesh), Part-2

समय:04.58-07.02

बाबा (प्रश्न)- सच तो बिठो नच - ये कौनसी बात की सच्चाई के लिए बोला गया है?

बाबा (उत्तर)- कोई बतायेगा? कोई को पता नहीं? अरे, ये तो वन्ड़रफुल बात है।

जिज्ञासु- ज्ञान।

बाबा- ज्ञान?

जिज्ञासु- बाप का परिचय।

बाबा- बाप का परिचय? (किसीने कुछ कहा) बाप का परिचय कोई पूरा दे पाता है सच?

जिज्ञासु- देते है।

बाबा- देते है? सौ परसेन्ट सच्चा?

जिज्ञासु- सौ परसेन्ट।

Time: 04.58-07.02
Baba (Question): '*Sach toh bitho nach'* (the one who is true will dance). This has been said about which truth?
Baba (Answer): Will anyone give the answer? Does nobody know? Arey, this is indeed something wonderful.
Student: Knowledge.
Baba: Knowledge?
Student: The Father's introduction.
Baba: The Father's introduction? (Student said something.) Is anyone able to give the complete and true introduction of the Father?
Student: They give.
Baba: Do they give? Hundred percent true [introduction]?
Student: Hundred percent.

बाबा- बाप का परिचय देते हैं? फिर तो बाप को आने की दरकार, आने की दरकार ही नहीं। कोई को पता नहीं है कौनसी सच्चाई है।

जिज्ञासु- पोतामेल बाबा।

बाबा- हाँ, जो अपना सच्चा-2 पोतामेल देते हैं वो खुशी में जिंदगी भर डान्स करते रहते हैं। क्या? छुपाते हैं तो मुरली में बोला है - आगे चलके सबकी पधरौनी हो जायेगी। कोई की कोई बात छुपी हुई नहीं रहेगी; नहीं तो सचखंड की स्थापना नहीं होगी।

जिज्ञासु- पधरौनी माना क्या?

बाबा- पधरौनी माने पधरामणी हो जायेगी सच्चाई की। असली चेहरा सामने आवे, नकली सूरत छुपी रहे।

जिज्ञासु- बाबा जो सच्ची-2 बता देंगे वो तो बच जायेंगे।

बाबा- बाप ने बताया है कोटों में कोई एक है जो अपना पूरा पोतामेल बाप को देता है; बाकी नंबरवार हैं।

Baba: Do they give the Father's introduction? Then there is no need for the Father to come at all. Nobody knows what the truth is.
Student: Baba, *potamail*[1].
Baba: Yes, those who give their true *potamail* keep dancing due to happiness throughout their life; what? If they hide, then it has been said in the Murli: In future everybody's story will be exposed (*padhrauni*). Nothing of anyone will remain hidden. Otherwise, the land of truth will not be established.
Student: What is meant by *padhrauni*?
Baba: *Padhrauni* means the *padhraamani* (arrival) of truth will take place. The true face should come out and the false face may remain hidden.
Student: Baba, those who tell the truth will be saved.
Baba: The Father has said: there is one among billions who gives his complete *potamail* to the Father. Rest of them are *number wise*.

समय:13.40-17.22

बाबा (प्रश्न)- कोई ने पूछा है- जिस क्रम से नम्बरवार लोग एन.एस. में जा रहे हैं उसका भी कोई मतलब है क्या?

बाबा (उत्तर)- मतलब हो सकता है? अरे, उस क्रम का मतलब हो सकता है क्या? ये भी एक चुनाव की परिक्रिया है। जैसे पानी फिल्टर किया जाता है या तेल फिल्टर किया जाता है या कोई भी चीज़ फिल्टर की जाती है तो फिल्टर होने के बाद कचड़ा निकल जाता है, अच्छा-2 बचता है। फिर दुबारा फिल्टर करेंगे - कहते हैं ड़बल रिफाईन, ट्रिपल रिफाईन। ऐसे ही ये फिल्टर होने की परिक्रिया है। बाकी ऐसे नहीं है कि जो एन.एस. में पहुँच गये सो कोई सब स्वर्गवासी हो गये, क्या? ये तो सिर्फ नई दुनिया का फाउन्ड़ेशन पड़ रहा है। जैसे मकान बनता है तो गहरे में फाउन्ड़ेशन ड़ाला जाता है। कोई को देखने में नहीं आता। जब से ये फाउन्डेशन पड़ा है तब से दुनिया में भी उसकी यादगार देखने में आती है। पहले मकान, महल बनाते थे तो चारों तरफ से पर्दा लगाकर ढ़कते नहीं थे और अब? अब ढ़कते है। ये हद और बेहद में दोंनो साथ-2 चलता है। गहराई में फाउन्ड़ेशन ड़ाला जा रहा है। ऐसे नहीं उनकी परीक्षा हो गई फाईनल, उनकी भी फाईनल परीक्षा होनी बाकी है। नहीं तो कोई नहीं मानेगा कि ये 8 की लिस्ट में है या 108 की लिस्ट में है या कौनसी लिस्ट में है। परीक्षा के बाद ही पता चलेगा। तो जब फाउन्डेशन ड़ालते हैं तो सब प्रकार के ईंट, रोड़े, कंकड़, पत्थर सारे ड़ालकर के ऊपर से दुरमुट चलाते हैं- धच-2। उनकी भी कड़ी परिक्षा होनी चाहिए या नहीं होनी चाहिए?

[1] A letter to Baba containing the account of the secrets of one's mind, body and wealth.

जिज्ञासु- होनी चाहिए।

Time: 13.40-17.22
Baba (Question): Someone has asked: Is there any meaning in the serial order in which people are going to NS?
Baba (Answer): Can there be any meaning? Arey, can there be any meaning in that serial order? This is also a process of selection. Just as water is filtered, oil is filtered or anything like this is filtered, so, after filtration, the dirt is removed and the pure thing remains. Then it will be filtered again; they call it double refined; triple refined. Similarly, this is a process of filtration. But it is not so that all those who have reached NS have become the residents of heaven. What? This is just the foundation of the new world that is being laid. For example, when a house is built, the foundation is laid deep. It is not visible to anyone. Ever since this foundation has been laid, memorials are being seen in the [outside] world too. Earlier when a building or a palace used to be constructed, they did not cover it with a curtain from all the sides. And now? Now they cover it. This happens in a limited and an unlimited sense simultaneously. A deep foundation is being laid. It is not that their final exam is over; their final exam is yet to take place. Otherwise, nobody will accept whether they are in the list of 8, in the list of 108 or in any other list. It will be known only after the exam. So, when a foundation is laid, all kinds of bricks, blocks, pebbles, stones are put and then beaten with a pounder. Dhach….-2. Should they also be tested rigorously or not?
Student: They should be.

बाबा- वो परीक्षा सारी जिंदगी होती है कि थोड़े टाईम होती है? थोड़ा टाईम होती है। उस धच-2 के धमाके में बहुत मजूबत होते हैं वो तो टिके रहते हैं और बाकी टुकड़े सब छितर के इधर-उधर हो जाते है।

Baba: Does that test take place throughout the life or for a short period? It takes place for a short period. Those who are very strong remain stable in that banging and the remaining pieces scatter here and there.

समय:21.25-23.23
जिज्ञासु- बाबा फाईनल परीक्षा का मेजर्मेन्ट क्या होगा?
बाबा- नष्टोमोहा।
जिज्ञासु- स्मृतिलब्धा।
बाबा- भूल गये? फाईनल परीक्षा में अष्टदेव आगे जायेंगे। जायेंगे या नहीं जायेंगे?
जिज्ञासु- जायेंगे।
बाबा- वो प्रैक्टिस उनकी पुरूषार्थी जीवन की आदि से अंत तक देखने में आवेगी या कभी देखने में आवेगी, कभी नहीं देखने में आवेगी? आदि से अंत तक देखने में आवेगी। बाबा ने कहा- लम्बे समय का पुरूषार्थ अंत में सफलता दिला देगा।

Time: 21.25-23.23
Student: Baba, what will be the measurement of the final examination?

Baba: *Nashtomoha* (detachment).
Student: *Smritilabdha* (regaining the awareness of the self).
Baba: Did you forget? The eight deities will gallop ahead in the final examination. Will they gallop ahead or not?
Student: They will.
Baba: Will that practice be visible in their *purusharthi* life (life of making spiritual effort) from the beginning till the end or will it be visible sometimes and not visible at some other times? It will be visible from the beginning till the end. Baba has said, long term *purusharth* will fetch success in the end.

जिज्ञासु- बाबा कैसे पता चले कुछ भाई मतलब सेवाधारी घर में भी रहते, बाहर भी रहते हैं वो तो अंदर से उसका अंदर से भी नष्टोमोहा होगा ?
बाबा- जो अंदर बाहर एक नहीं दिखाई देगा?
जिज्ञासु- पता कैसे चलेगा?
बाबा- बाहर से दिखाई नहीं देगा? दिखाई तो पड़ेगा। सरेन्ड़र हो जाते है बुद्धि कहाँ धरी रहती है?
जिज्ञासु- घर में।
बाबा- मातायें सरेन्ड़र होती हैं मेरा बच्चा, मेरा परिवार, मेरा-5 छूटता ही नहीं। अरे, सरेन्ड़र हो गये तो वहाँ का वहीं छोड़ो ना। अब वो कन्यायें भी ऐसी हैं दुनिया को दिखाने के लिए सरेन्ड़र हो गये, हम बाबा के कंधे पर चढ़े हुए हैं। अंदर से बुद्धि सारी कहाँ धरी रहती है? परिवार के अंदर धरी रहती है। इंतजार होता रहता है कब फोन आवे, कब चिट्ठी आवे, कब बुलाने आवे; नहीं तो मैं किसी पार्टी के साथ चली जाऊँ। तो देखने में नहीं आता देखनेवालों को? आता है कि नहीं? देखने में आयेगा।

Student: Baba, how can we know that? I mean to say some *sevadhari* brothers live at home and some live outside too; so, he can also be *nashtomoha* from within.
Baba: Whatever is inside him, will it not be visible outside?
Student: How can we know?
Baba: Will it not be visible from outside? It will indeed be visible. People surrender, but where is their intellect?
Student: At home.
Baba: Mothers surrender, but they do not stop speaking about 'my child, my family, mine-5' at all. Arey, when you have surrendered, leave those matters there. Well, there are such virgins also who have surrendered in the eyes of the world; they are sitting on Baba's shoulders. But where is their intellect focused? It is busy in the (*lokik*) family. They keep waiting: "When will the phone call come, when will the letter come, when will they come to call me? Otherwise, I will go (to meet them) with some party". So, is it not visible to the spectators? Is it visible or not? It will be visible.

समय:23.37-29.07

जिज्ञासु- बाबा, अष्टदेव जो हैं वो अभी जो एन.एस. बना है उसी में होंगे कि जो आना-जाना करते हैं उसमें होंगे?

बाबा- आना-जाना कौन नहीं करता है? एक जगह में बंद होकर के रहे तो जेली हो गया, कैदी हो गया या आना-जाना करनेवाला हुआ?

जिज्ञासु- आना-जाना तो थोड़े ही लोग करते हैं।

बाबा- क्या?

जिज्ञासु- आना-जाना जो करते हैं...

बाबा- करते हैं ना सब?

जिज्ञासु- सब कहाँ करते हैं?

बाबा- अरे, ऐसा कौन होगा जो एक ही जगह बंधकर के रहे?

जिज्ञासु- एक ही जगह नहीं, जो एन.एस. बनाया बाबा ने...

बाबा- एन.एस. बनाया तो उसी घर में रहते हैं क्या हमेशा?

जिज्ञासु- नहीं, उस घर में तो नहीं रहते है...

Time: 23.37-29.07
Student: Baba, will the eight deities be only at NS that has been established now or will they be from among the ones who visit it?
Baba: Who does not visit? If someone remains confined to one place, then is he like a jailbird, a prisoner or is he the one who comes and goes?
Student: Very few people visit.
Baba: What?
Student: Those who come and go...
Baba: Everyone does that, don't they?
Student: Everyone doesn't do that.
Baba: Arey, is there anyone who remains confined to one place only?
Student: Not one place. (I am talking about) the NS that Baba has established...
Baba: NS has been established; so, do they live in the same house forever?
Student: No. They do not live in that house...

बाबा- सेवा के लिए बाहर निकलना पड़ेगा कि नहीं निकलना पड़ेगा?

जिज्ञासु- एन.एस. में जो पहुँच जाते हैं....

बाबा- तो?

जिज्ञासु- तो वहीं से अष्टदेव निकलेंगे या बाहर से जो भी अंदर आ गये होंगे सरेन्ड़र भाई हो गये होंगे और वो आना-जाना करते हैं वो कि बाहर से भी अष्टदेव होंगे माना जो अपने घर गृहस्त में रहते हैं या नहीं सरेन्ड़र हुए हैं अभी?

बाबा- 8 की तो बात छोड़ दो, 108 की भी बात छोड़ दो। सोलह हजार की लिस्ट में आनेवाले जो प्रिन्स-प्रिन्सेज बनेंगे राज परिवार के वो सरेन्ड़र होंगे या नॉन सरेन्ड़र होंगे?
जिज्ञासु- सरेन्ड़र होंगे।
बाबा- फिर? अभी हो या लास्ट में हो। लास्ट में रिजल्ट निकलेगा। जब रिजल्ट निकलेगा तो उनका संगठन अलग देखने में आयेगा माला, माला रूपी संगठन या नहीं देखने में आयेगा?
जिज्ञासु- देखने में आयेगा।
बाबा- अलग देखने में आयेगा।

Baba: Will they have to come out for service or not?
Student: Those who reach NS…
Baba: So?
Student: So, will the eight deities emerge only from that place or those who must have come, those who are surrendered brothers and they visit (NS) or will the eight deities be from outside as well, I mean those who live in household or haven't surrendered so far?
Baba: Leave the subject of the 8 [deities]; leave the subject of the 108 as well. Will those who become princes and princesses in the list of 16000 belonging to the royal family be surrendered or non-surrendered?
Student: They will be surrendered.
Baba: Then? Whether they [surrender] now or in the last period; the result will be out in the end. When the result is out, will their rosary like gathering be visible separately or not?
Student: It will be visible.
Baba: It will be visible separately.

जिज्ञासु- मान लो जो अभी सरेन्ड़र नहीं हुए होंगे लेकिन वो बाबा की जो श्रीमत मिलती है उसी हिसाब से चलते हैं...
बाबा- चलो ना मना कौन करता है?
जिज्ञासु- उनको सरेन्ड़र नहीं कहेंगे?
बाबा- मना कौन करेगा? ऐसे श्रीमत पर अंत में चलकर के दिखाये कि सारे दुनिया को संगठन के एक सूत्र में बंधे हुए देखने में आये।
जिज्ञासु- नहीं अभी तो यही मानते है कि अष्टदेव जो हैं वो एन.एस. से ही निकलेंगे और जो आना-जाना करते हैं वही होंगे और बाहर जितने भी पुरूषार्थी हैं वो अष्टदेव नहीं होंगे।
बाबा- माना वो आ नहीं रहे हैं?
जिज्ञासु- माना उनमें अष्टदेव नहीं निकलेंगे।
बाबा- साढे चार लाख जो होंगे वो काशीनगरी के वासी होंगे, काश्य रूपी तेज पीनेवाले होंगे या नहीं होंगे?
जिज्ञासु- पीने वाले होंगे।

Student: Suppose those who must not have surrendered now, but follow Baba's *shrimat*…
Baba: Follow the *shrimat*. Who is stopping you?

Student: Will they not be called surrendered?
Baba: Who will stop them? They should follow the *shrimat* in the end in such a way that they should be visible to the entire world as being united in one thread of the gathering.
Student: No. Now we believe this that the eight deities emerge only from N.S and from those who visit NS and those who make *purusharth* while living outside will not become eight deities.
Baba: Does it mean that they are not coming?
Student: I mean to say, the eight deities will not emerge from among them.
Baba: Will the 450 thousand [souls] be the residents of Kashinagari or not? Will they be the ones who drink the energy in the form of *kashya* (power of knowledge) or not?
Student: They will.

बाबा- फिर? पक्के सूर्यवंशी होंगे या कनवर्ट होनेवाले होंगे? पक्के सूर्यवंशी होंगे। अरे, दो मालायें स्पष्ट देखने में आवेगी। उन मालाओं के फॉलोअर्स भी देखने में आवेंगे। रूद्रमाला देखने में आवेगी। वो निराकारी स्टेज में टिकी हुई होगी, संगठन भी देखने में आवेगा। सारी दुनिया में वो संगठन प्रत्यक्ष होगा और विजयमाला भी देखने में आवेगी। उनके फॉलोअर्स भी देखने में आवेंगे। हाँ, नम्बरवार हैं वो भी कोई जरूरी नहीं कि पहले-2 नम्बर में, ग्रुप में जाकरके जो बैठ गये वही टिके रहेंगे। (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) हाँ, फाईनल पेपर आयेगा तो वहाँ से भी टूटेंगे और अभी भी टूट, टूट रहे हैं। अभी टूटने वाले की संख्या इक्का-दुक्का। एक-दो भी टूटेंगे तो जो हँसी उड़ाने वाले हैं वो खूब हँसी उड़ायेंगे - देखो-5 वहाँ जानेवाले भी टूट गये।
जिज्ञासु- दुरमुट चलेगा तो और टूटेंगे।

Baba: Then? Will they be firm *Suryavanshis* or the ones who convert? They will be firm *Suryavanshis*. Arey, two rosaries will be clearly visible. The followers of those rosaries will also be visible. The *Rudramala* will be visible. They will be constant in the incorporeal stage, the gathering will also be visible. That gathering will be revealed in the entire world and the *Vijaymala* will also be visible. Their followers will also be visible. Yes, they are *number wise (according to their capacity)*. Even in that it is not necessary that only those who sat first in the group will remain constant. (Student said something.) Yes, when the final examination begins, they will break even from there; and even now they are breaking; now the number of those who break away is one or two. Even if one or two break away, those make fun of others will laugh a lot [saying:] "Look, even those who go there (to NS) have broken away".
Student: When the *durmut* (a wooden log with flat base used to beat or press a pit filled with soil, stones and pebbles) is used, then many more will break.

बाबा- सही तरीके से नहीं चलेंगे, संगठन को तोड़नेवाले होंगे तो खुद नहीं टूटेंगे? कायदे-कानून कड़क होते जावेंगे ईश्वरीय परिवार के या लूज रहेंगे? कड़क होते जावेंगे। जो सूर्यवंशियों की लिस्ट में आनेवाले होंगे उनके लिए कड़क होते जावेंगे या जिन्होंने ये पक्का कर लिया जहाँ जायेंगे, वहाँ जायेंगे देखा जायेगा।
जिज्ञासु- सूर्यवंशी के लिए।

बाबा- सूर्यवंशियों के लिए कड़क होते जायेंगे। मुख्य पहचान है, क्या?

जिज्ञासु- नष्टोमोहा स्मृतिलब्धा।

बाबा- हाँ, वो बाहर से भी देखने में आवेंगी। उस पहचान में अगर कच्चे पड़ गये, मोह प्रत्यक्ष होने लगा तो? नौ दो ग्यारह।

Baba: If they do not behave properly, if they are those who break the gathering, will they not break away themselves? Will the rules and laws of the Godly family become strict or will they remain loose? They will become strict. Will it become strict for those who will come in the list of the *Suryavanshis* or for those who have decided, "We will see, wherever we may go"?
Student: For the *Suryavanshis*.
Baba: They will become strict for the *Suryavanshis*. What is their main identification?
Student: *Nashtomoha smritilabdha*.
Baba: Yes, it will be visible from outside as well. If they become weak in that identification, if the attachment starts to reveal, then they will run away.

समय:29.21-33.42

बाबा (प्रश्न)- बोला एक तरफ बाबा कहते हैं सौ बगुलों के बीच में एक हंस अपनी मस्ती में रहेगा।

बाबा (उत्तर)- क्या? क्या कहते हैं बाबा? सौ बगुलों के बीच में एक हंस अपनी मस्ती में रहेगा दूसरी तरफ कहते हैं... दुमुहाँ है बाबा।

बाबा (प्रश्न)- दूसरी तरफ कहते हैं कि बगुलों के बीच में हंस रह नहीं सकते।

बाबा (उत्तर)- ये दो विरोधी बातें हुई या नहीं हुई? अरे, चुपचाप रह जाते हैं। ये दो विरोधी बातें हैं या नहीं हैं?

जिज्ञासु- हैं।

बाबा- हैं? माना भगवान दोगला है। दो-2 बातें बोलता है। बताओ भाई, ये दोंनो बातें विरोधी हैं या नहीं हैं?

जिज्ञासु- नहीं हैं।

बाबा- नहीं हैं? कैसे?

जिज्ञासु- मन-बुद्धि की बात है।

बाबा- क्या है मन-बुद्धि की बात बताओ। अरे, खड़े हो के तो बता दो। तुम्हारी मन-बुद्धि के अंदर से बाहर आये ना। बताओ-3।

Time: 29.21-33.42
Baba (Question): It has been said: on one side Baba says that one swan (*hans*) will remain in its intoxication among hundred herons (*baguley*).
Baba (Answer): What? What does Baba say? One swan will remain in its intoxication amidst hundred herons and on the other side He says … Baba is two mouthed (*dumuha*, i.e. someone who uses doublespeak).

Baba (Question): On the other side He says that swans cannot live amidst herons.
Baba (Answer): Are these two contradictory topics or not? Arey, you remain silent. Are these two contradictory topics or not?
Student: They are.
Baba: Are they? It means that God uses doublespeak. He uses doublespeak. Tell brother, are these two topics contradictory or not?
Student: They are not.
Baba: Are they not? How?
Student: It is about the mind and intellect.
Baba: Tell us how it is about the mind and intellect. Arey, stand up and tell us. It should come out of your mind and intellect, shouldn't it? Tell us-3.

जिज्ञासु- मन-बुद्धि से परे रहने की बात है।
बाबा- क्या? मन-बुद्धि से?
जिज्ञासु- परे रहने की बात है।
बाबा- जो परे रहेगा, सौ बगुलों के आकर्षण में नहीं आयेगा तो बाहर से देखने में आयेगा कि नहीं न्यारा और प्यारा? (सभी- आयेगा।) और सबको देखने में आयेगा (या) कोई को देखने में आयेगा कोई को नहीं आयेगा?
जिज्ञासु- सबको आयेगा।
बाबा- सबको देखने में आयेगा। तो फिर अंतर बताओ कि दोंनो बातों में अंतर क्या हुआ? अरे, अंतर तो जो पूछने वाला पूछ रहा है उसी ने अंतर बता दिया। फिर पढ़ें?
जिज्ञासु- सुनाओ बाबा।
बाबा- सुनाएं? समझायें नहीं?
जिज्ञासु- समझाओ।
बाबा- समझाओ भी। "सौ बगुलों के बीच में एक हंस अपने मस्ती में रहता है" ये कमाल है, कमाल क्या है? सौ बगुलों के बीच में एक हंस अपनी मस्ती में रहे। कोई से प्रभावित न हो और दूसरी बात है "हंस बगुलों के बीच में रह नहीं सकते"। इसमें अंतर है एक लगा हुआ है, क्या? एक हंस की यादगार है। कोई के भी साथ ड़ाल दिया जाये जो मुरली में बोला है नारायण की ये पहचान होगी... क्या पहचान?

Student: It is about being detached through the mind and intellect.
Baba: What? Through mind and intellect…?
Student: It is about being detached.
Baba: The one who will remain detached, if he does not become attracted to the hundred herons, then will he appear to be detached from outside or not? (Everyone: He will.) And will he appear (detached) to everyone or will he appear (detached) to someone and not to someone else?
Student: He will appear (detached) to all.

Baba: He will appear (detached) to all. So, then tell me what is the difference between both the topics? Arey, the person who has raised the question has mentioned the difference himself. Should I read it out again?
Student: Narrate it to us Baba.
Baba: Should I [only] narrate? Shouldn't I explain☺?
Student: Explain it.
Baba: Explain it as well☺. "One swan lives in its intoxication among a hundred herons", this is the wonder. What is the wonder? A swan should live in its intoxication amidst hundred herons. He should not be influenced by anyone. And the second topic is that "swans cannot live amidst herons". The difference is that [the word] 'one' is mentioned in this [sentence]; what? It is the memorial of a single swan. It can be placed with anyone… that has been said in the Murli: this will be the identification of Narayan; what is the identification?

जिज्ञासु- सबसे अच्छा.....
बाबा- नहीं। बड़े से बड़े लोंगो के बीच में भी पार्ट बजा सकता है, बजायेगा और छोटे से छोटे जो बिल्कुल नीच पार्ट बजानेवाले हैं उनके बीच में भी पार्ट बजायेगा। जनता में जो भी पार्टधारी हैं उन सब आत्माओं के साथ संस्कार मिला सकता है ज्ञान के फोर्स से।

Student: The best…
Baba: No. He can play a part amidst the greatest personalities, he will play; and he will also play a part amongst the smallest ones, who play the lowest part. All the actors who are in the public; He can match his *sanskars* with all those souls through the force of knowledge.

समय:34.02-39-29
बाबा (प्रश्न)- पूछा है काशी में, भक्तिमार्ग में कोई भी मोक्ष प्राप्त के लिए चले जाते हैं।
बाबा- कोई भी चले जाते हैं या कोई-2 जाते हैं?
जिज्ञासु- कोई-2 जाते हैं।
बाबा- कोई-कोई ही जाते हैं। हर कोई तो नहीं जा सकते।
बाबा (प्रश्न)- पर यहाँ तो बाबा काशीवासियों को गुप्त रखे हैं। कोई की इच्छा है तो भी नहीं जा सकते हैं। बाबा जिनको ले जाते हैं वही जा सकते हैं।
बाबा- माना?
जिज्ञासु- अपने आप जा नहीं सकते।
बाबा- माना बाबा योग्यता अनुसार नहीं ले जाते हैं। किस अनुसार ले जाते हैं?
जिज्ञासु- पक्षपात के अनुसार।
बाबा- हाँ, पक्षपात के आधार पर ले जाते हैं।
जिज्ञासु- पूछने वाले का भाव यही है।
बाबा- माना जो कम्पलेन्ट करते हैं वो कम्पलीट होते हैं?

जिज्ञासु- नहीं।

Time: 34.02-39.29
Baba (Question): Someone has asked: Anyone goes to Kashi in the path of *bhakti* to attain *moksha* (liberation).
Baba (Answer): Does 'anyone' go or do 'some' go?
Student: Some go.
Baba (Answer): Very few go. Everyone cannot go.
Baba (Question): But here Baba has kept the residents of Kashi hidden. Even if someone wishes, he cannot go. Only those who are taken by Baba can go there.
Baba: What does it mean?
Student: They cannot go there on their own.
Baba: It means that Baba does not take them [over there] as per their ability. On what basis does Baba take them there?
Student: On the basis of partiality.
Baba: Yes, He takes them there on the basis of partiality.
Student: The intention of the one who is asking this question is this.
Baba: It means, do those who complain, are they complete?
Student: No.

बाबा- कुछ ना कुछ है गड़बड़ ना? तभी तो कम्पलेन्ट हो रही है। अगर सन्तुष्टमणी होकर के रहें, जहाँ कहीं भी ड़ाल दिया जाए; तो ऐसी गऊ आत्माओं को ले जावेंगे या कुछ ना कुछ वाचा, कुछ ना कुछ कर्मेन्द्रियों, कुछ ना कुछ वायब्रेशन के आधार पर धमचक्कर मचाने वालों को ले जायेंगे? किनको ले जावेंगे?

जिज्ञासु- सन्तुष्टमणी।

बाबा- जो सन्तुष्टमणी गऊबुद्धि देखने में आवेंगे; गऊ को जिस खूंटे से भी बांध दो भारतवासी गऊ क्या करेगी? जीवनभर बड़े आराम से वहीं रहेगी। जाहि विध राखे राम ताहि विध रहीए। यहाँ तो राम है ही नहीं, यहाँ तो रावण आया हुआ है पक्षपाती; तो कौन ले जावेगा? पहले रावण को राम बनाए ले तब हम भी जायेंगे।

जिज्ञासु- बाबा बाहर से जानेवालों को काशी में मोक्ष मिल जाता है....

बाबा- सब बाहर से ही जाते हैं, अंदर से कौन होता है? काशी में ऐसा कौन होता है जो अंदर का होता है?

जिज्ञासु- जो परमनेंट वहाँ...

Baba: There is something wrong, isn't there? Only then is a complaint being made. If they remain as a satisfied gem (*santushtmani*) who can be placed wherever ; so, will such cow like souls be taken or will those who create some or the other disturbances through words, bodily organs [and] vibrations be taken there? Who will be taken?
Student: Gems of satisfaction.
Baba: Those who appear to be gems of satisfaction, with a cow like intellect…; to whichever tent-pin you tie a cow; what will an Indian cow do? She will remain there comfortably throughout the life. *Jahi vidh raakhey Ram, taahi vidh rahiye* (live as Ram wants you to live).

[They think:] Ram does not exist here at all; here Ravan, who is partial, has come; so who will take? First let Ravan become Ram, then we will go as well.
Student: Baba, those coming from outside achieve *moksha* in Kashi...
Baba: Everyone goes from outside only; who is from inside? Which person from Kashi is an insider?
Student: Those who [stay] there permanently...

बाबा- हम जो बात पूछ रहे हैं वो बात बताओ। काशी में सब बाहर से ही जाते हैं कि काशीनगरी जो बनानेवाला काशीनाथ है उससे पहले ही कोई चला गया?
जिज्ञासु- पहले नहीं गया।
बाबा- पहले तो कोई नहीं जाता। अब बोलो क्या बोल रहे हैं?
जिज्ञासु- जो वहाँ रहते हैं परमानेंट उनको मोक्ष नहीं मिलता?
बाबा- परमानेंट रहने वालों को मोक्ष नहीं मिलता?
जिज्ञासु- जो रहते है बनारस में, काशी में।
बाबा- उनमें बहुतों को मोक्ष मिलता है; इसलिए तो गायन है। हाँ, कोई-2 ऐसे होते हैं कि काशीवासी बनने के बाद भी त्याग देते हैं।
जिज्ञासु- मोक्ष नहीं मिलता।
बाबा- नहीं। रहेंगे तो क्यों नहीं मिलेगा?
जिज्ञासु- तो मिल जायेगा।
बाबा- काशीवासी रहेंगे तो क्यों नहीं मिलेगा? लेकिन वहाँ ठहर, ठहर नहीं सकते। वो मिनी मधुबन का या मधुबन का फर्स्ट क्लास रूप होगा, फर्स्ट क्लास पुरूषार्थियों का संगठन होगा या सेकेण्ड़, थर्ड, फोर्थ क्लास होगा?
जिज्ञासु- फर्स्ट क्लास होगा।

Baba: Tell me what I am asking; does everyone go to Kashi from outside or did anyone go there before Kashinath (Lord of Kashi) who establishes Kashi nagari?
Student: Nobody went before him.
Baba: Nobody goes before him. Now say, what were you saying?
Student: Don't those who live there permanently attain *moksha* (liberation)?
Baba: Those who live there permanently don't attain *moksha*?
Student: Those who live in Banaras, in Kashi.
Baba: Many among them attain *moksha* (liberation); only then there is this glory. Yes, there are some who leave [Kashi] even after becoming the residents of Kashi.
Student: They do not attain *moksha*.
Baba: No. If they (continue to) live, why will they not attain it?
Student: Then, they will attain it.
Baba: If they remain the residents of Kashi, why will they not attain it? But they cannot stay there. Will it be the first class form of *minimadhuban* or *madhuban,* will it be a gathering of the *first class purusharthis* or [the gathering of the] *second, third, fourth class* [*purusharthis*]?
Student: It will be first class.

बाबा- ये तो गुड़ जाने गुड़ की गोथरी जाने। अब आप प्रश्न करिये, क्या पूछ रहे थे?
जिज्ञासु- जो वहाँ आदमी रहते हैं उनको मोक्ष मिलता है क्या?
बाबा- अभी तो बता दिया फाईनल परीक्षा अभी थोड़े ही हुई है। फाईनल परीक्षा हो और उसमें जो पास हो जायें वो जरूर जावेंगे।

Baba: Either jaggery or the sack containing it knows the sweetness of it. Now ask your question; what were you asking?
Student: Do the residents of that place attain *moksha*?
Baba: Just now it was said: the final exam has not yet started. When the final exam takes place and those who pass in it will certainly go.

समय: 39-40-43.23
बाबा (प्रश्न)- बाबा, भक्तिमार्ग में तो अपनी इच्छा से काशी करवट खाते हैं लेकिन यहाँ तो काशी अर्थात् एन.एस. में चुनाव किया जाता है। इसका कारण क्या है?
बाबा- जबरदस्ती उठा के अगर किसी को ले जाया जायेगा तो टिकेगा?
जिज्ञासु- नहीं टिकेगा।
बाबा- नहीं टिकेगा। देखा तो जायेगा ये कहाँ तक नष्टोमोहा बना है? मम्मी-पप्पा का फोन नहीं आता तो हालत तो नहीं खराब होती, चिट्ठी- चपाठी नहीं आती तो मुहँ तो नहीं खराब हो जाता, घर से सामान नहीं आता तो बिगड़ता तो नहीं है? माना ये प्रश्न भी उसी से मिलता-जुलता है, क्या? कि बाबा स्वेच्छाचारी है। जिसको चाहता है उसको ले जाता है; नहीं तो काशी करवट खानेवाले स्वेच्छा से काशी करवट खाते हैं।

Time: 39.40-43.23
Baba (Question): Baba, on the path of *bhakti* people practice *Kashikarvat*[2] voluntarily, but here people are selected to go to Kashi, i.e. NS; what is the reason for this?
Baba: Will anyone remain there if he is forcibly taken there?
Student: He will not remain [there].
Baba: He will not remain [there]. It will certainly be seen how far they have become detached. Do they become disturbed if they do not receive a phone call from their mother and father; does their facial expressions become bad if they do not receive letters [from their relatives]; do they become disturbed if they do not get things from (*lokik*) home? It means that this question is similar to that (previous) question. What? That Baba is autocratic. He takes whoever he wishes; otherwise, those who practice *kashikarvat* practice it voluntarily.

अरे, काशी करवट की तो बात ही छोड़ो। यहाँ तो सामान्य रूप से जो सरेन्ड़र होते हैं अगर स्वेच्छा से समझकर के सरेन्ड़र होते हैं तो टिकने की गुजाइंश ज्यादा है या माँ-बाप ने गर्दन पकड़कर के सरेन्ड़र कर दिया तो टिकने की गुजाइंश ज्यादा है? स्वेच्छा वाले ही रह सकेंगे।

[2] the ancient practice of voluntarily falling into the well of death which has a huge sword at its bottom

बिना इच्छा के कोई किसी को कहीं जबरदस्ती रख सकता है? और यहाँ तो सबके लिए खुली छूट है काशी में रहते हो या बाहर रहते हो जब चाहे त्याग पत्र लिखे और, और चले जाये। लिखकर के आये हो और लिखकर के चले जाओ। ये दैवी-देवता सनातन धर्म की स्थापना हो रही है ये मुसलमान धर्म की स्थापना नहीं है कि तलवार लो जनेऊ उतारो।

जिज्ञासु- औरंगजेब ने ऐसा किया।

बाबा- हाँ जी, तो ये जो प्रश्न आया है कि स्वेच्छा से काशी करवट खाते हैं वही वहाँ टिक सकेंगे। जो इच्छा से नहीं जाते हैं - "चलो देखे आये कैसा है वहाँ" और चले गये। अंदर से इच्छा..... तो क्या अंजाम होगा? भाग खड़े होंगे। बिना इच्छा के कोई किसी को बांध के रख सकता है क्या? नहीं रख सकता।

Arey, leave the subject of *Kashikarvat*. Here, for those who surrender in the normal course, is there a greater chance of remaining constant if they surrender voluntarily after understanding [the knowledge], or is there a greater chance for those to remain constant if their parents surrender them forcibly? Only those who come voluntarily will be able to remain constant. Can someone keep anyone somewhere forcibly against his wishes? And here everyone is free. Whether they live in Kashi (i.e. NS) or outside (i.e. in *minimadhubans*); they can write a deed of release (a resignation letter) and leave. You came after giving in written form (a letter of faith) and you can leave by giving in a written form. This is the Ancient Deity Religion that is being established; it is not the establishment of Muslim religion [where they force someone:] "remove the sacred thread (*janeu*)" by showing the sword.

Student: Aurangzeb did like this.

Baba: Yes. So, the question that has been raised that only those who practice *Kashikarvat* voluntarily will be able to live there. Those who do not go voluntarily [if they think:] "OK, let us see how it is there" and go there; but there is no desire from inside..... Then, what will be the fate? They will run away. Can anyone confine someone against his wishes? He cannot.

समय:43.50-46.26

बाबा (प्रश्न)- एक और मजेदार प्रश्न, बाबा एक बात बताओ- काशीनगरी में जिनकी सिलेक्शन हो रही है क्या उन पर महाकाली का झाड़ू लगेगा या नहीं लगेगा?

बाबा- अगर उन पर भी लगेगा तो हमें जाना नहीं। अगर उन पर महाकाली का झाड़ू न लगे तो हम जायेंगे।

बाबा (प्रश्न)- तो बाबा बताओ कि महाकाली के झाड़ू लगने से वहाँ जायेंगे तो बच जायेंगे?

बाबा- मुख्य बात ये दिमाग में घूम रही है। महाकाली झाड़ू लगायेगी; दिवाली होती है ना, दीपक जलायें जाते हैं ना, घर की सफाई होती है ना पहले? तो जो घर की सफाई होती है उसमें कीड़े-मकोड़ों को झाड़ू लगा के भगाया जाता है या जितने भी घर में रहनेवाले हैं सबको भगा दिया जाता है?

जिज्ञासु- कीड़े-मकोड़ों को भगाया जाता है।

बाबा- कीड़े-मकोड़े, बिच्छू-टिंडन हैं, अपनी दुखदाई वृत्ति को नहीं छोड़ सकते हैं, धम- चक्कर मचानेवाले हैं, राक्षसी वृत्तिवाले हैं उनको ही झाड़ू लगेगा। जिनकी देवताई बुद्धि होगी कि भई सेवा ही करनी है, दूसरों को सुख ही देना है यही हमारे जीवन का लक्ष्य है। न दुख देना है, न दुख लेना है। तो ऐसी अच्छी-2 आत्माओं के ऊपर झाड़ू लगेगा क्या? नहीं लगेगा। हाँ, इक्का-दुक्का होंगे तो लगेगा जरूर, क्या? बचेंगे नहीं।

Time: 43.50-46.26
Baba (Question): One more interesting question: Baba, tell me one thing, will those who are being selected to go to *Kashi nagari* face the broom of Mahakali or not?
Baba: If they (residents of Kashi) too have to face it, then we do not wish to go there. If they are not going to face Mahakali's broom, then we will go.
Baba (Question): So, Baba, tell me, will we be saved from Mahakali's broom if we go there?
Baba: This is the main thing that is going on in the mind (of the one who is asking this question.) Mahakali will use her broom; when Diwali is celebrated, when lamps are lit, the house is cleaned before that, isn't it? So, when the house is cleaned, are the worms and insects chased away with a broom or are all those who stay in the house chased away?
Student: The worms and insects are chased away.
Baba: Only the worms and insects, the scorpions and spiders that cannot leave their attitude of giving sorrow, those who cause disturbances, those who have a demonic attitude will face the broom. Those who will have a divine intellect [who think:] "We have to do only service, we have to give just happiness to others; this is the goal of our life. We have to neither give sorrow nor take sorrow". So, will such nice souls face the broom? They will not. Yes, if there are one or two [souls] (having a demonic attitude), they will certainly face; what? They will not be saved.

समय:46.37-52.18

बाबा (प्रश्न)- अगला प्रश्न है- काशी में मरेंगे तो सीधे स्वर्ग में जायेंगे।

बाबा- लेकिन देखा तो जायेगा कि मरे है या आँखे मिच-मिचाये पडे है। नहीं देखा जायेगा? देखा जायेगा कि नहीं हिला-डुलाकर के?

जिज्ञासु- देखा जायेगा।

बाबा- अरे, डॉक्टर भी तो पहले स्टेथेस्कोप लगा के देख लेता है ना कि जिंदा है कि मरा हुआ है? तो शर्त पहली है कि देहभान से मरे हुए होना चाहिए। दूसरा प्रश्न इसमें पूछा है- कौनसी मरने की बात है? कौनसी मरने की बात है? देहभान से। मैं आत्मा हूँ, मैं परमात्मा बाप का बच्चा हूँ। मैं आत्मा बच्चा हूँ, किसका बच्चा हूँ? भगवान बाप का बच्चा हूँ। जैसे बाप चलायेगा वैसे ही चलूँगा। मेरे भाग्य की ड़ोरी जन्म-जन्मान्तर की किसके हाथ में है? बाप के हाथ में है। जैसे लौकिक दुनिया में भी होता है माँ-बाप बच्चों के जीवन के रक्षक माने जाते हैं; नहीं तो ऐसे-2 माँ-बाप भी हुए हैं जिनको भूख लगी और बच्चों को भी काट के खा गये। ऐसे हुए या नहीं हुए? हुए। तो उनको रक्षक कहेंगे या भक्षक कहेंगे? भक्षक हो गये।

ये मरने की बात है, देहभान से मरना है। पक्का-2 आत्माभिमानी बनना है। (प्रश्न)- "तो अगर देहभान से मरने की बात है तो जो काशी के बाहर देहभान से मरेंगे वो स्वर्ग में नहीं जावेंगे?" बताओ भईया, जायेंगे या नहीं जायेंगे?

जिज्ञासु- जायेंगे।

Time: 46.37-52.18
Baba (Question): The next question is: if we die in Kashi, we will go to heaven straightaway. Baba: But it will definitely be observed whether they have [really] died or are [just] lying down with their eyes closed☺. Will it not be seen? Will they be shaken or not to check this?
Student: It will be seen.
Baba: Arey, even a doctor checks [the patient] using a stethoscope whether he is alive or dead, doesn't he? So, the first condition is that they should be dead through body consciousness. The second question that has been asked is: it is about which death? It is about which death? [It is about dying] through body consciousness. "I am a soul; I am the child of the Supreme Soul Father. I the soul, am a child. Whose child am I? I am the child of God the Father. I will act as the Father wants me to act. In whose hands is the thread of my fortune of many births? It is in the Father's hands". For example, it happens in the *lokik* world as well; the parents are considered to be the protectors of their children's lives. Otherwise there have been such parents also who cut and ate their children when they felt hungry. Have there been [such parents] or not? There have been [such parents]. So, will they be called protectors (*rakshak*) or predators (*bhakshak*)? They are predators. This is about dying, you have to die through body consciousness. You have to be firmly soul conscious. (Question:) "So, if it is about dying through body consciousness, then will those who die through body consciousness outside [Kashi] not go to heaven?" Speak up brother, will they go or not?
Student: They will.

बाबा- वो भी जायेंगे? फिर काशी में मरने की क्या दरकार है? कोई भूत सवार हुआ है क्या? अरे, फिर काशी में मरने की दरकार है?

जिज्ञासु- फिर तो नहीं है।

बाबा- फिर भगवान को काशी नगरी का निर्माण करने की भी दरकार है?

जिज्ञासु- नहीं है।

बाबा- फिर तो काशी ही प्यारी नगरी होनी चाहिए या काशी के बाहर जहाँ मरने लगे मगहर वगैरा में; क्या? कहाँ मरने लगे? मगहर वगैरा में मरने लगे तो वो भी प्यारी नगरी होनी चाहिए कि नहीं?

जिज्ञासु- होनी चाहिए।

बाबा- लेकिन नहीं है, गायन क्या है? काशी प्यारी है, क्यों प्यारी है? कारण होगा कोई कि भगवान को दिल्ली प्यारी नहीं है, जगदम्बा प्यारी नहीं है उतनी, लक्ष्मी प्यारी नहीं है,

सरस्वती प्यारी नहीं है, पार्वती प्यारी नहीं है, त्रिदेवियाँ भी प्यारी नहीं है। कौनसी नगरी प्यारी है?

जिज्ञासु- काशी ।

Baba: Will they too go? Then where is the need to die in Kashi? Has any ghost entered them? Arey, then is there any need to die in Kashi?
Student: Then there is not.
Baba: Then, is there a need for God to establish *Kashi nagari*?
Student: No.
Baba: Then should only Kashi be the dearest city or the place like Magh-har, etc. where people die outside; what? Where do they die? If they start dying in Magh-har, etc. then should that also be the dearest city or not?
Student: It should be.
Baba: But it isn't. What is the glory? Kashi is dear; why is it dear? There must be some reason that Delhi is not dear to God , Jagdamba is not dear to that extent; Lakshmi is not dear ; Saraswati is not dear ; Parvati is not dear; even the three female deities are not dear (; which city is dear to Him?
Student: Kashi.

बाबा- काशी नगरी का इतना महत्व क्यों है दुनिया में? विद्वान, पंडित, आचार्य जितने भी है दुनिया के वो कौनसी नगरी को ज्यादा महत्व देते हैं?

जिज्ञासु- काशी नगरी को।

बाबा- क्यों? भगवान की बसाई हुई नगरी है। उसका नाम ही रखा है आनंद-कानन, क्या? दुनिया का विनाश होता रहेगा, हाय-हाय कर के मरते रहेंगे लेकिन आनंद-कानन के वासी आनंद मनाते रहेंगे। अगर ऐसा न हो तो बाहर की दुनिया में आनंद ही आनंद।

Baba: Why does Kashi nagari have so much importance in the world? All the scholars, pundits, teachers, etc. of the world give more importance to which city?
Student: Kashi nagari.
Baba: Why? It is the city that has been settled by God. Its very name is *Anand-Kanan* (abode of joy); what? The world will continue to undergo destruction; people will continue to die crying in despair; but the residents of *Anand-Kanan* will continue to be joyful. If it is not so, then there will be joy in the outside world.

……
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.